

असाधारग EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)



प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

स॰ 129]

नई बिल्ली, बुधवार, मार्च 31, 1982/चैत्र 10, 1904

No. 129] NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 31, 1982/CHAITRA 10, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सर्व

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

बित्त मंत्रालय

(आधिक कार्य विभाग)

अधिसचनाएं

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1982

(बॅरिकंग प्रभाग)

का. आ. 227(अ) :—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदक्ष शिक्तों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भाग्नीय स्टेट बैंक के अनुरोध पर 31-3-1982 में आंध्र प्रदेश राज्य में मंजिरा ग्रामीण बैंक के नाम से एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के नाम से एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना करती है जो कि आंध्र प्रदेश के मोडक जिले की स्थानीय सीमाओं में कार्य करेगा।

[संख्या एफ 1-4/82-आर अपर **बी** (1)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 30th March, 1982

BANKING DIVISION

SO. 227(E).—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 3 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, being requested so to do by State Bank of India establishes, with effect from 31st March. 1982 a Regional Rural Bank in the State of Andhra Pladesh under the name of Manjira Grameena Bank which shall operate within the local limits of the district of Medak in the State of Andhra Pradesh.

[No. F. 1-4/82-RRB(I)]

का. आ. 228(अ): —प्रादेशिक ग्रामीण वैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त कित्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय भरकार, भारतीय रिजर्ध वैंक तथा मंजिरा ग्रामीण वैंक के प्रयोजक भारतीय स्टेट बैंक में परामर्श करके, संगारेड्डी को उस स्थान के रूप में निर्धारित करती है, जहां पर मंजिरा ग्रामीण वैंक का मुख्य कार्यनलय होगा।

[संख्या एफ 1-4/82 आर. आर **बी** (2)]

S.O. 228(E).—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 4 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and State Bank of India, by which Manjira Gramecta Bank has been sponsored specifies Sangareddy as the place where Manjira Grameena Bank shall have its head office.

[No. F. 1-4/82-RRB(II)]

का. आ. 229(अ) : —भारतीय रिजर्व बैंक अभिनियम. 1934 (1934 का 2) की धारा 42 की उप-धारा (6) के सण्ड (क) के उप-सण्ड (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्दारा उक्त उप-सण्ड के प्रयोजनों के लिए, मंजिरा ग्रामीण बैंक, संगारेड्डी को प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अन्तर्गत स्थापित एक संस्था के रूप में अधिस्चित करती है।

[संख्या एफ. 1-4/82-आर. आर. बी. (3)] बी. पी. साहनी, संयुक्त सचिव

S.O. 229(E).—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (a) of sub-section (6) of section 42 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), the Central Government hereby notifies, for the purposes of the said sub-clause, Manjira Grameena Bank, Sangareddy being an institution established under sub-section (1) of section 3 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976).

[No. F. 1-4/82-RRB(III)] V. P. SAWHNEY, Jt. Seey.

का. आ. 230(क). — प्रादेशिक ग्रामीण वैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की भारा 11 की उप-भारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय मरकार, एत्द्द्वारा श्री आय सदाशिव ग्ष्ता को मंजिरा ग्रामीण बैंक, संगारेड्डी का अध्यक्ष निय्वत करती है तथा 31 मार्च, 1982 से प्रारम्भ होकर 31 मार्च, 1985 को समाप्त होने वाली अविध को उम् अविध के रूप में निर्धारित करती है जिसके दौरान श्री आय सदाशिव गष्ता अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[संख्या एफ. 1-4/82 आर. आर. बी. (4)] राम बोहरा, अबर सच्चि S.O. 230.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shit I. Sadas va Gupta as the Chairman of the Manjira Grameena Bank, Sangareddy and specified the period commencing on the 31-3-1982 and ending with the 31-3-1985 as the period for which the said Shri I. Sadasiva Gupta shall hold office as such Chairman.

[No. F. 1-4/82-RRB(IV] RAAM BEHRA, Under Secy.

भारतीय रिजर्व भैंक

ग्रामीण आयोजना तथा ऋण कक्ष

र स्यई

<u>क्ष्मिस्</u>चना

बम्बर्ड, 31 मार्च, 1982

का. आ. 231(आ):—भारतीय रिजर्व बैंक अभिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 42 की उप-धारा (6) के लण्ड (क) के अनुसरण में, भारतीय रिजर्व बैंक एतद्हारा निदेश देता है कि उक्त अधिनियम की दूसरी अनुमूची में निम्निलिखत वैंक को समायिष्ट किया जाए, अर्थात्:—

''मंजिरा ग्रामीण बैंक, संगारेडाडी (अंध प्रदेश) '

[आर. पो सी. सी. मंख्या आर. आर.

बी. 226/311-82]

्एच. बी. फिटमग्गी, कार्यपालक निदेशक

RESERVE BANK OF INDIA

RURAL PLANNING AND CREDIT CELL BOMBAY NOTIFICATION

Bombay, the 31st March, 1982

S.O. 231(E).—In pursuance of clause (a) of sub-section (6) of section 42 of the Reserve Bank of India, Act, 1934 (2 of 1934) the Reserve Bank of India hereby directs the inclusion in the Second Schedule to the said Act of the following bank, namely:—

"Manjira Grameena Bank, Sangareddy (A.P.)".

[RPCC. No. RRB/226/311-82] H. B. SHIVAMAGGI, Executive Director